राजस्थान पत्रिका
अलवर . सोमवार

'मानव विकास जन केंद्रित तरीके से हो'

नई दिल्ली

bhopal@patrika.com

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की प्रशासक हेलन क्लार्क ने कहा है कि मानव विकास जन-केंद्रित तरीके से होना चाहिए, जिसमें जनता के अधिकारों, अवसरों, विकल्पों और गरिमा को बढ़ावा मिले। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता प्रत्येक देश की वास्तविक पूंजी होती है। सिर्फ ज़ीडीपी और जीएनपी में बढ़ोतरी मानव विकास की सूचक नहीं हो सकती क्योंकि इनसे सिर्फ देश की समग्र आर्थिक प्रगति परिलक्षित होती है और मानव विकास की सही तस्वीर नहीं मिलती। इसलिए, सच्चे मायनों में मानव विकास समानता और सततता के आधार पर होना चाहिए। इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की ओर से मावलंकार सभागार में आयोजित 12वीं डी.टी. लकड़वाला व्याख्यानमाला में 'मानव विकास के लिए समानता और सतता क्यों महत्वपूर्ण है' विषय पर व्याख्यान देते हुए हेलन क्लार्क ने कहा कि मानव विकास एक वैश्विक चुनौती है क्योंकि दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीबी, भुखमरी, कुपोषण और निरक्षरता की शिकार हैं। चाहे गरीबों का आर्थिक उत्थान हो या सामाजिक विकास, निरक्षरता हो या पर्यावरण में सुधार, वैश्विक समस्याओं के हल के लिए हमें समानता और सततता के आधार पर मानव विकास पर बल देना होगा। (ब्यूरो)